THESOOTR · डेटा डेस्क

मध्यावधि 2026 thesootr Survey

प्रदेश स्तरीय समेकित विश्लेषण रिपोर्ट

सर्वेक्षण का दायरा — मध्य प्रदेश

संभाग (10): इंदौर · उज्जैन · ग्वालियर · चंबल · जबलपुर · नर्मदापुरम · भोपाल · रीवा · शहडोल · सागर

शामिल जिले (51)

अनूपपुर · अशोकनगर · आगर · आलीराजपुर · इन्दौर · उज्जैन · उमरिया · कटनी · खंडवा · खरगोन · गुना · ग्वालियर · छतरपुर · छिंदवाड़ा · जबलपुर · झाबुआ · टीकमगढ़ · डिंडौरी · दतिया · दमोह · देवास · धार · नरसिंहपुर · नर्मदापुरम · नीमच · पन्ना · बड़वानी · बालाघाट · बुरहानपुर · बैतूल · भिण्ड · भोपाल · मंदसौर · मण्डला · मुरैना · रतलाम · राजगढ़ · रायसेन · रीवा · विदिशा · शहडोल · शाजापुर · शिवपुरी · श्योपुर · सतना · सागर · सिंगरौली · सिवनी · सीधी · सीहोर · हरदा

29,822	10	51	230
कुल प्रतिक्रियाएँ	संभाग	जिले	विधानसभाएँ

MP के इतिहास का सबसे भरोसेमंद ऑनलाइन सर्वे

1 · प्रदेश स्तरीय विश्लेषण

मध्य प्रदेश के सभी **10 संभाग, 51 जिले और 230 विधानसभा सीटों** पर कुल **29,822** मतदाताओं की प्रतिक्रिया के आधार पर तीन प्रश्नों — विधायक संतुष्टि, सरकार संतुष्टि और कांग्रेस की सक्रियता — का समेकित विश्लेषण नीचे प्रस्तुत है।

53.1%
विधायक संतुष्टि
अपने विधायक से संतुष्ट

49.1%
सरकार संतुष्टि
भाजपा–डॉ. मोहन यादव सरकार से संतुष्ट

48.2%
कांग्रेस सक्रिय
कांग्रेस प्रदेश में सक्रिय दिखती है

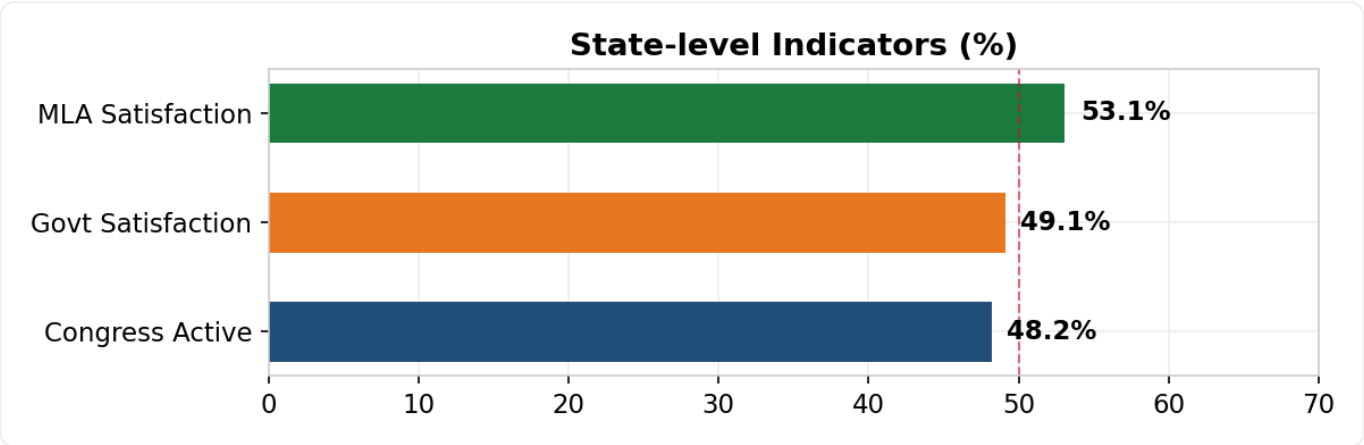

चित्र 1: प्रदेश स्तर पर तीनों संकेतकों का प्रतिशत (लाल रेखा = 50% बहुमत-रेखा)।

प्रश्न-1 · विधायक संतुष्टि (53.1%): प्रदेश में औसतन हर दूसरे से अधिक मतदाता अपने विधायक से संतुष्ट हैं। यह आँकड़ा 50% की बहुमत-रेखा से ऊपर है, जो स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति समग्र रूप से अनुकूल रुझान दर्शाता है। हालाँकि यह संतुष्टि क्षेत्रवार बहुत असमान है — कुछ संभागों में 65% तक, तो कुछ में 32% तक।

प्रश्न-2 · सरकार संतुष्टि (49.1%): राज्य सरकार से संतुष्टि विधायक संतुष्टि से लगभग 4.0 अंक नीचे है और ठीक 50% की रेखा के नीचे ठहरती है। इसका अर्थ यह है कि व्यक्तिगत विधायक की स्वीकार्यता, सरकार के समग्र कामकाज की धारणा से कुछ आगे है — यानी कई स्थानों पर मतदाता विधायक को तो पसंद करते हैं पर सरकार के प्रदर्शन को लेकर उनकी राय बँटी हुई है।

प्रश्न-3 · कांग्रेस की सक्रियता (48.2%): लगभग आधे मतदाता मानते हैं कि कांग्रेस प्रदेश में सक्रिय दिख रही है। यह विपक्ष के लिए ज़मीनी उपस्थिति का संकेत है, पर यह सरकार संतुष्टि (49.1%) से थोड़ा ही नीचे है — अर्थात विपक्ष की दृश्यता और सत्ता-असंतोष के बीच सीधा बड़ा अंतराल अभी नहीं बना है।

> **डेटा परसेप्शन — आँकड़े क्या संकेत दे रहे हैं**
>
> तीनों संकेतक 48–53% की संकरी पट्टी में हैं, जो प्रदेश-स्तर पर **सत्ता पक्ष की हल्की बढ़त पर संतुलित मुकाबले** की ओर इशारा करता है। विधायक संतुष्टि सबसे ऊँची और सरकार संतुष्टि सबसे नीची होना यह बताता है कि चुनावी ज़ोर "चेहरे/स्थानीय प्रतिनिधि" पर अधिक और "सरकार के समग्र प्रदर्शन" पर तुलनात्मक रूप से कम केन्द्रित रहने की संभावना है। निर्णायक अंतर संभाग-स्तर के तीखे ध्रुवीकरण से तय होगा (देखें खंड-2)।

2 · संभाग-स्तरीय विश्लेषण

दस संभागों में रुझान दो स्पष्ट ध्रुवों में बँटे हैं — एक ओर **शहडोल, उज्जैन, इंदौर, जबलपुर** जैसे मज़बूत संभाग, दूसरी ओर **ग्वालियर, नर्मदापुरम, सागर, चंबल** जैसे कमज़ोर संभाग।

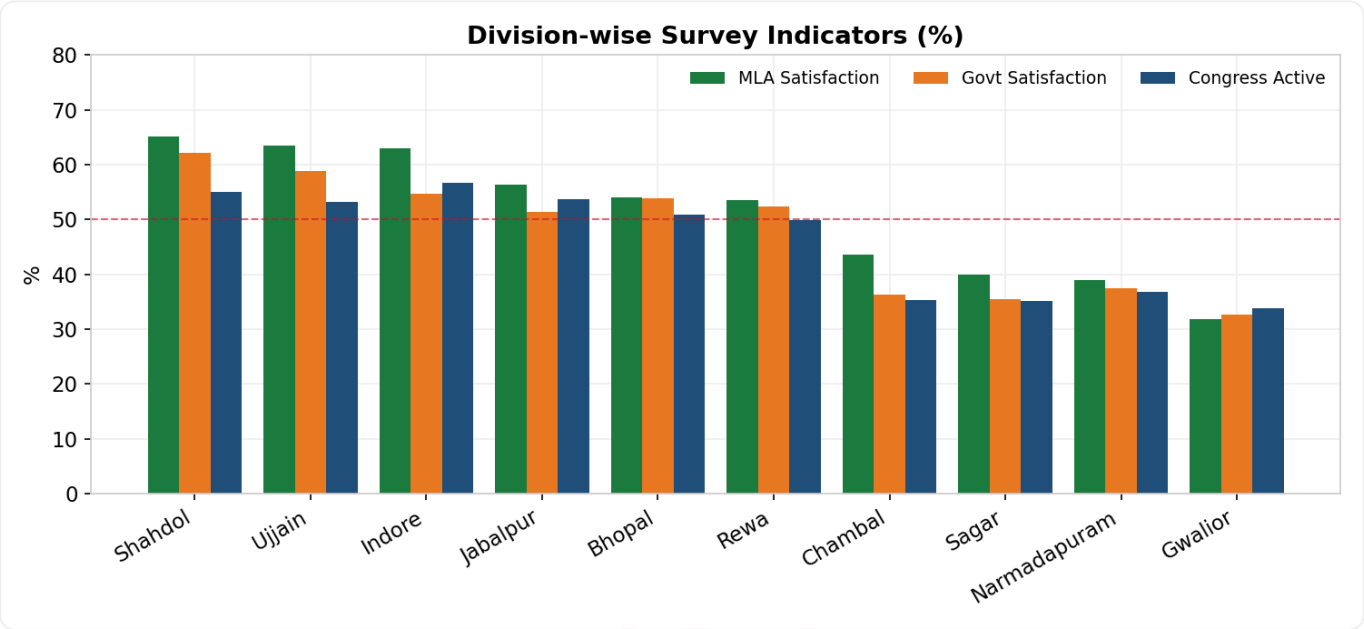

चित्र 2: संभागवार तीनों संकेतक (विधायक संतुष्टि के अवरोही क्रम में)।

संभाग	सीटें	जिले	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय	संक्षिप्त संकेत
शहडोल	8	3	65.2%	62.1%	55.0%	सबसे मज़बूत संभाग; तीनों संकेतकों में बढ़त, सत्ता पक्ष का गढ़।
उज्जैन	29	7	63.4%	58.9%	53.2%	विधायक व सरकार दोनों पर ऊँची संतुष्टि; स्थिर एवं अनुकूल।
इंदौर	37	8	63.0%	54.7%	56.6%	विधायक संतुष्टि ऊँची, पर कांग्रेस सक्रियता भी सर्वाधिक (56.5%) — प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी।
जबलपुर	38	8	56.4%	51.4%	53.7%	सबसे बड़ा संभाग (38 सीटें), संतुलित बढ़त; निर्णायक भूमिका।
भोपाल	25	5	54.0%	53.8%	50.8%	राजधानी संभाग; तीनों संकेतक 50% के आसपास, कांटे की स्थिति।
रीवा	22	4	53.6%	52.3%	49.9%	विधायक संतुष्टि अच्छी, पर कांग्रेस सक्रियता 50% के करीब — सतर्कता ज़रूरी।
चंबल	13	3	43.6%	36.3%	35.3%	सरकार संतुष्टि कमज़ोर (36.3%); असंतोष के संकेत।
सागर	26	5	40.0%	35.5%	35.1%	विधायक व सरकार दोनों पर औसत से नीचे; ध्यान देने योग्य।
नर्मदापुरम	11	3	39.0%	37.5%	36.8%	तीनों संकेतक 40% से नीचे; चिंताजनक क्षेत्र।
ग्वालियर	21	5	31.8%	32.7%	33.8%	सबसे कमज़ोर संभाग; तीनों संकेतक 34% के नीचे — सर्वाधिक जोखिम।

मज़बूत क्षेत्र: शहडोल (विधायक 65.2%, सरकार 62.1%) तीनों संकेतकों में सबसे आगे है। उज्जैन और इंदौर भी 63%+ विधायक संतुष्टि के साथ सत्ता-अनुकूल हैं; पर इंदौर में कांग्रेस सक्रियता (56.5%) सर्वाधिक होने से यहाँ मुकाबला बना रहेगा।

कमज़ोर क्षेत्र: ग्वालियर संभाग में तीनों संकेतक 34% से नीचे हैं — विधायक संतुष्टि महज़ 31.8% — जो प्रदेश का सबसे संवेदनशील क्षेत्र है। नर्मदापुरम, सागर और चंबल में भी सरकार संतुष्टि 35–37% के निचले दायरे में है।

डेटा परसेप्शन — संभाग स्तर

प्रदेश का औसत (53%) कुछ मज़बूत संभागों के बल पर ऊपर टिका है, जबकि **ग्वालियर–चंबल अंचल** स्पष्ट रूप से पिछड़ रहा है। इन दोनों ध्रुवों के बीच का अंतर ही प्रदेश की समग्र तस्वीर तय करेगा — सत्ता पक्ष की बढ़त मज़बूत संभागों में केन्द्रित है, और जोखिम मुख्यतः उत्तर-मध्य संभागों में।

thesootr Survey

3 · जिला-स्तरीय विश्लेषण

51 जिलों का संभागवार ब्यौरा नीचे है (देवास जिला उज्जैन व इंदौर दोनों संभागों में आता है)। हरा = मज़बूत (≥55%), नारंगी = मध्यम (45–55%), लाल = कमज़ोर (<45%)।

सर्वाधिक मज़बूत जिले: आलीराजपुर (67.4%), झाबुआ (66.8%), अनूपपुर (66.3%), शहडोल (65.7%), उज्जैन (65.0%)। **सर्वाधिक कमज़ोर जिले:** शिवपुरी (28.5%), अशोकनगर (29.2%), ग्वालियर (33%), गुना (34.1%), दतिया (34.2%)।

शहडोल संभाग (3 जिले · विधायक 65.2% · सरकार 62.1% · कांग्रेस 55.0%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
अनूपपुर	3	66.3%	59.5%	53.6%
शहडोल	3	65.7%	66.9%	57.3%
उमरिया	2	62.9%	58.1%	53.2%

उज्जैन संभाग (7 जिले · विधायक 63.4% · सरकार 58.9% · कांग्रेस 53.2%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
उज्जैन	7	65.0%	60.3%	54.5%
शाजापुर	3	64.6%	58.3%	52.0%
नीमच	3	63.8%	62.3%	50.4%
मंदसौर	4	62.9%	63.1%	48.4%
आगर	2	62.8%	60.8%	50.3%
रतलाम	5	62.7%	52.3%	57.5%
देवास	5	61.3%	56.8%	54.9%

इंदौर संभाग (8 जिले · विधायक 63.0% · सरकार 54.7% · कांग्रेस 56.6%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
आलीराजपुर	2	67.4%	48.1%	67.0%
झाबुआ	3	66.8%	57.7%	51.8%
धार	7	64.9%	52.3%	61.1%
खंडवा	4	63.4%	55.0%	48.7%
बड़वानी	4	63.4%	47.4%	65.3%
खरगोन	6	62.7%	52.8%	59.7%
बुरहानपुर	2	62.7%	66.3%	52.2%

thesootr Survey

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
इन्दौर	9	59.6%	58.4%	51.7%

जबलपुर संभाग (8 जिले · विधायक 56.4% · सरकार 51.4% · कांग्रेस 53.7%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
मण्डला	3	62.8%	50.5%	60.7%
नरसिंहपुर	4	58.4%	54.6%	44.7%
सिवनी	4	57.5%	48.3%	50.3%
जबलपुर	8	56.5%	54.9%	52.4%
कटनी	4	56.4%	54.1%	54.9%
छिंदवाड़ा	7	55.1%	47.2%	57.7%
डिंडौरी	2	54.3%	53.2%	57.0%
बालाघाट	6	53.1%	48.3%	54.1%

भोपाल संभाग (5 जिले · विधायक 54.0% · सरकार 53.8% · कांग्रेस 50.8%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
रायसेन	4	56.6%	56.1%	53.9%
भोपाल	8	55.3%	54.6%	51.2%
विदिशा	5	53.2%	53.1%	45.0%
राजगढ़	5	52.0%	53.9%	51.7%
सीहोर	3	50.5%	49.2%	53.0%

रीवा संभाग (4 जिले · विधायक 53.6% · सरकार 52.3% · कांग्रेस 49.9%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
सिंगरौली	3	55.0%	50.8%	49.9%
सतना	7	54.5%	55.1%	49.8%
सीधी	4	53.3%	46.9%	56.2%
रीवा	8	52.3%	52.5%	46.9%

चंबल संभाग (3 जिले · विधायक 43.6% · सरकार 36.3% · कांग्रेस 35.3%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
श्योपुर	2	46.9%	38.5%	37.1%

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
मुरैना	6	44.4%	36.7%	35.1%
भिण्ड	5	40.9%	34.5%	34.7%

सागर संभाग (5 जिले · विधायक 40.0% · सरकार 35.5% · कांग्रेस 35.1%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
सागर	8	43.7%	34.5%	33.6%
छतरपुर	6	41.5%	37.6%	39.2%
पन्ना	3	38.3%	34.2%	37.5%
दमोह	4	37.3%	37.5%	31.7%
टीकमगढ़	5	34.9%	33.8%	33.6%

नर्मदापुरम संभाग (3 जिले · विधायक 39.0% · सरकार 37.5% · कांग्रेस 36.8%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
बैतूल	5	42.5%	41.2%	36.8%
नर्मदापुरम	4	36.7%	33.8%	36.2%
हरदा	2	34.6%	34.9%	37.9%

ग्वालियर संभाग (5 जिले · विधायक 31.8% · सरकार 32.7% · कांग्रेस 33.8%)

जिला	सीटें	विधायक संतुष्टि	सरकार संतुष्टि	कांग्रेस सक्रिय
दतिया	3	34.2%	36.0%	34.9%
गुना	4	34.1%	30.7%	32.8%
ग्वालियर	6	33.0%	33.9%	34.2%
अशोकनगर	3	29.2%	33.8%	37.7%
शिवपुरी	5	28.5%	30.4%	31.0%

डेटा परसेप्शन — जिला स्तर

मालवा–निमाड़ और विंध्य-महाकौशल के जिले लगातार ऊँचे अंक दे रहे हैं, जबकि **ग्वालियर-चंबल अंचल के लगभग सभी जिले** (शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, दतिया, ग्वालियर) निचले छोर पर एकत्र हैं। यह भौगोलिक केन्द्रीकरण बताता है कि असंतोष बिखरा हुआ नहीं, बल्कि एक विशिष्ट क्षेत्र में संकेन्द्रित है — जो लक्षित रणनीति को आसान बनाता है।

thesootr Survey

4 · विधानसभा-स्तरीय हाइलाइट्स (230 सीटें)

हर सीट का अलग पृष्ठ देने के बजाय, समेकित रिपोर्ट में पूरे प्रदेश की 230 सीटों को संतुष्टि-श्रेणियों में बाँटकर तथा सर्वाधिक मज़बूत/कमज़ोर/प्रतिस्पर्धी सीटों के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

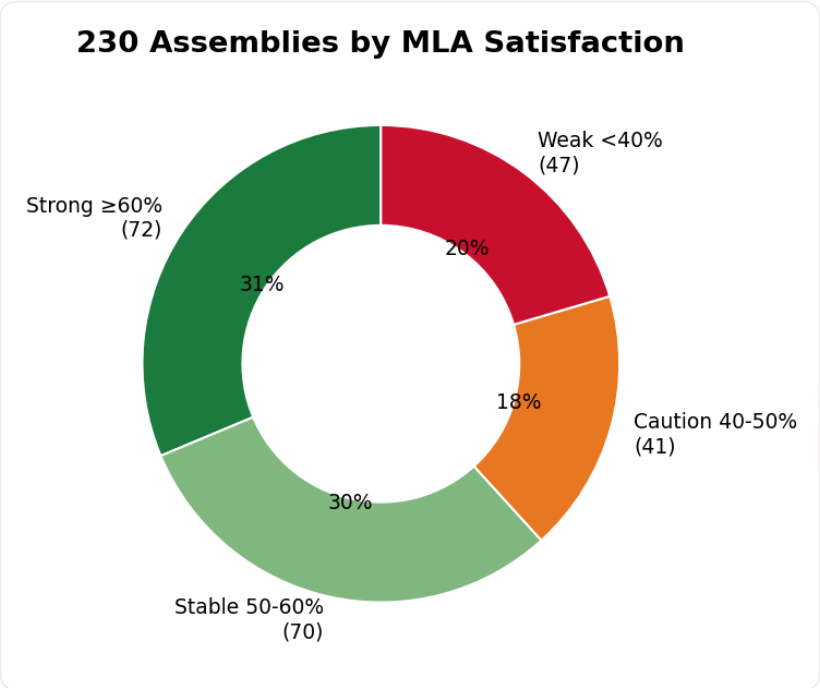

चित्र 3: विधायक संतुष्टि के आधार पर 230 सीटों का वर्गीकरण — मज़बूत 72, स्थिर 70, सतर्कता 41, कमज़ोर 47।

कुल मिलाकर **72 सीटें** मज़बूत (विधायक संतुष्टि ≥60%) और **47 सीटें** कमज़ोर (<40%) हैं; बीच की 111 सीटें ही असली निर्णायक क्षेत्र हैं। साथ ही **74 सीटों** पर कांग्रेस की सक्रियता विधायक संतुष्टि से ऊपर है (विपक्षी बढ़त) और **64 सीटों** पर सरकार संतुष्टि 40% से नीचे है।

शीर्ष प्रदर्शन वाली सीटें (विधायक संतुष्टि)

विधानसभा	संभाग/जिला	पार्टी	विधायक	सरकार	कांग्रेस
उज्जैन दक्षिण	उज्जैन/उज्जैन	बीजेपी	76.2%	68.5%	54.5%
ब्योहारी (एसटी)	शहडोल/शहडोल	बीजेपी	73.1%	73.6%	62.7%
कोतमा	शहडोल/अनूपपुर	बीजेपी	72.5%	58.8%	50.4%
मंदसौर	उज्जैन/मंदसौर	कांग्रेस	71.7%	60.6%	51.2%
धार	इंदौर/धार	बीजेपी	70.4%	71.1%	48.9%
घट्टिया (एससी)	उज्जैन/उज्जैन	बीजेपी	69.7%	65.9%	46.2%
बड़वारा	जबलपुर/कटनी	बीजेपी	69.7%	67.0%	62.1%
बदनावर	इंदौर/धार	कांग्रेस	69.0%	63.6%	58.1%

सर्वाधिक कमज़ोर सीटें — तत्काल ध्यान आवश्यक

विधानसभा	संभाग/जिला	पार्टी	विधायक	सरकार	कांग्रेस
कोलारस	ग्वालियर/शिवपुरी	बीजेपी	22.2%	32.2%	21.1%
मुंगावली	ग्वालियर/अशोकनगर	बीजेपी	23.3%	35.6%	36.7%
राजनगर	सागर/छतरपुर	बीजेपी	24.3%	35.9%	37.9%
पिछोर	ग्वालियर/शिवपुरी	बीजेपी	24.8%	25.7%	31.4%
पोहरी	ग्वालियर/शिवपुरी	कांग्रेस	26.4%	37.4%	37.4%
जबेरा	सागर/दमोह	बीजेपी	26.4%	35.5%	32.7%
पृथ्वीपुर	सागर/टीकमगढ़	कांग्रेस	26.6%	36.7%	39.4%
सेवड़ा	ग्वालियर/दतिया	बीजेपी	26.9%	31.2%	33.3%
ग्वालियर दक्षिण	ग्वालियर/ग्वालियर	बीजेपी	27.5%	29.7%	33.0%
चांचौढ़ा	ग्वालियर/गुना	बीजेपी	28.1%	32.3%	24.0%
ग्वालियर पूर्व	ग्वालियर/ग्वालियर	कांग्रेस	30.4%	29.3%	32.6%
चंदेरी	ग्वालियर/अशोकनगर	बीजेपी	31.2%	35.4%	37.5%

प्रतिस्पर्धी सीटें — जहाँ विपक्ष की सक्रियता बढ़त पर

विधानसभा	संभाग/जिला	पार्टी	विधायक	सरकार	कांग्रेस
महिदपुर	उज्जैन/उज्जैन	कांग्रेस	62.2%	43.9%	70.9%
बिछिया	जबलपुर/मण्डला	कांग्रेस	68.4%	56.1%	69.7%
मनावर (एसटी)	इंदौर/धार	कांग्रेस	67.2%	44.0%	69.6%
कसरावद	इंदौर/खरगोन	कांग्रेस	61.5%	46.7%	68.9%
धरमपुरी (एसटी)	इंदौर/धार	बीजेपी	56.8%	41.5%	68.6%
सेंधवा	इंदौर/बड़वानी	कांग्रेस	64.0%	55.3%	68.4%
चुरहट	रीवा/सीधी	कांग्रेस	60.3%	42.9%	68.3%
आलोट (एससी)	उज्जैन/रतलाम	बीजेपी	64.4%	36.3%	67.1%
बड़वानी	इंदौर/बड़वानी	कांग्रेस	56.9%	45.5%	66.7%
भीकनगांव (एसटी)	इंदौर/खरगोन	कांग्रेस	62.9%	47.4%	66.4%
राजपुर (एसटी)	इंदौर/बड़वानी	कांग्रेस	64.8%	47.7%	66.4%
तराना (एससी)	उज्जैन/उज्जैन	कांग्रेस	65.7%	51.8%	66.4%

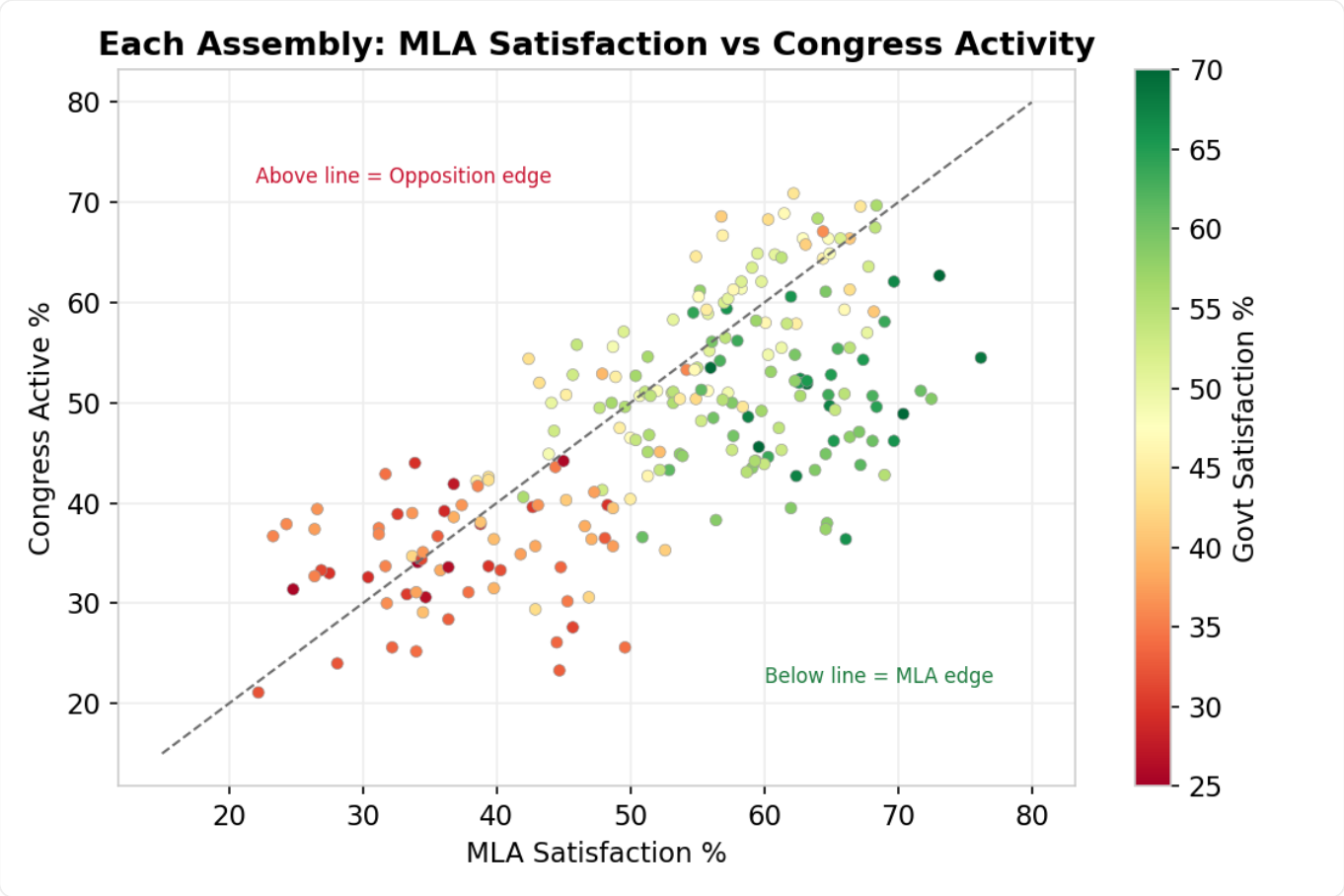

चित्र 4: प्रत्येक सीट पर विधायक संतुष्टि बनाम कांग्रेस सक्रियता; रंग = सरकार संतुष्टि। विकर्ण रेखा के नीचे की सीटों पर सत्ता पक्ष की बढ़त, ऊपर की सीटों पर विपक्षी बढ़त।

डेटा परसेप्शन — विधानसभा स्तर

तस्वीर "द्विध्रुवीय" है: एक बड़ा मज़बूत समूह और एक स्पष्ट कमज़ोर समूह, बीच में अपेक्षाकृत कम सीटें। इसका मतलब है कि चुनावी नतीजा कुछ दर्जन "स्विंग" सीटों पर टिकेगा। नीचे की सीटों में अधिकांश ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड (सागर) से हैं, जो खंड-2/3 के क्षेत्रीय रुझान की पुष्टि करता है।

5 · दलवार तुलना (मौजूदा विधायक के आधार पर)

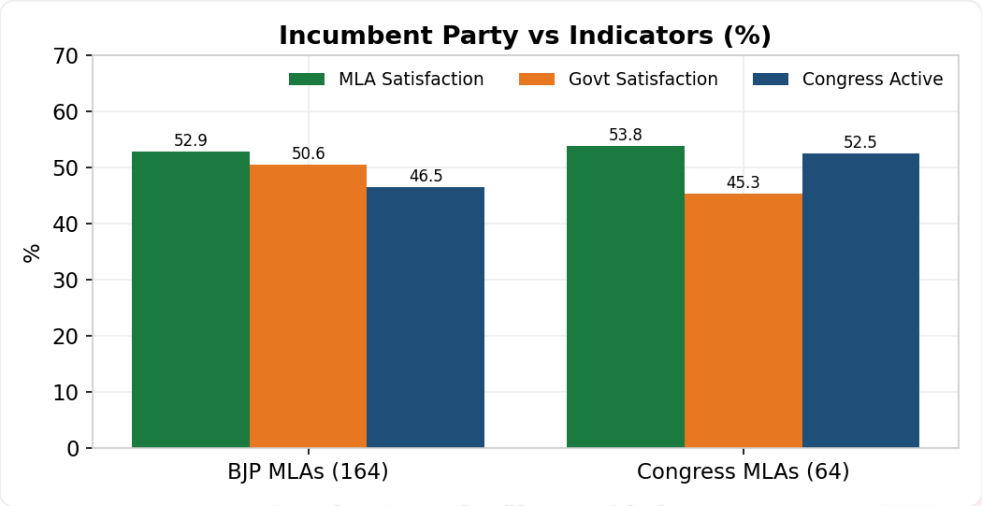

चित्र 5: मौजूदा विधायक की पार्टी के अनुसार तीनों संकेतक।

दोनों प्रमुख दलों के विधायकों की व्यक्तिगत संतुष्टि लगभग बराबर (भाजपा ~52.9%, कांग्रेस ~53.8%) है — यानी "विधायक स्वीकार्यता" किसी एक दल की बपौती नहीं। अंतर सरकार-संतुष्टि में दिखता है, जो स्वाभाविक रूप से सत्तारूढ़ दल के क्षेत्रों में ऊँची है। आँकड़े बताते हैं कि मतदाता दल-रेखा से अधिक **स्थानीय प्रतिनिधि के कामकाज** के आधार पर राय बना रहे हैं।

thesootr Survey

6 · समग्र एक्शन सारांश — "क्या काम किए जाने की ज़रूरत है?"

▶ प्राथमिकता-1 : ग्वालियर–चंबल अंचल (पुनर्जीवन ज़ोन)

- शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, दतिया, ग्वालियर में सरकारी योजनाओं की ज़मीनी डिलीवरी और शिकायत-निवारण पर सघन अभियान।
- कोलारस, पिछोर, पोहरी, सेवड़ा, ग्वालियर-दक्षिण जैसी <28% संतुष्टि वाली सीटों पर नेतृत्व-समीक्षा व संवाद-यात्रा।
- स्थानीय विधायक की निष्क्रियता को सीधे संबोधित करने वाला फीडबैक-तंत्र।

▶ प्राथमिकता-2 : प्रतिस्पर्धी/स्विंग सीटें (74 सीटें)

- जिन सीटों पर कांग्रेस सक्रियता विधायक संतुष्टि से ऊपर है, वहाँ बूथ-स्तरीय संगठन व निरंतर जन-संपर्क।
- 50–60% वाली "स्थिर" सीटों को मज़बूत श्रेणी में लाने हेतु लक्षित कल्याण-संवाद।

▶ प्राथमिकता-3 : सरकार-संतुष्टि घाटे वाली सीटें (64 सीटें)

- जहाँ विधायक संतुष्टि ठीक पर सरकार संतुष्टि <40%, वहाँ योजना-लाभ की दृश्यता व प्रचार बढ़ाना।
- नर्मदापुरम, सागर, चंबल संभाग में सरकारी कामकाज की धारणा सुधारने पर केन्द्रित संचार।

▶ प्राथमिकता-4 : मज़बूत क्षेत्रों की रक्षा (72 सीटें)

- शहडोल, उज्जैन, इंदौर, जबलपुर में बढ़त बनाए रखने हेतु संतुष्ट मतदाता-आधार से सतत संवाद; आत्मसंतोष से बचाव।

कार्यप्रणाली एवं अस्वीकरण: यह विश्लेषण thesootr द्वारा एकत्र कुल 29,822 ऑनलाइन प्रतिक्रियाओं पर आधारित है, जिनमें से 120 प्रतिक्रियाएँ किसी विधानसभा से संबद्ध न होने के कारण इकाई-स्तरीय गणना से अलग रखी गई हैं (विश्लेषण आधार: 29,702)। प्रतिशत प्रत्येक इकाई में "हाँ" उत्तरों के अनुपात से निकाले गए हैं। यह जनमत-रुझान का सांकेतिक चित्र है, मतगणना का पूर्वानुमान नहीं। छोटे नमूने वाली कुछ इकाइयों के आँकड़ों में स्वाभाविक विचलन संभव है। रिपोर्ट तटस्थ, तथ्य-आधारित और संपादकीय उपयोग हेतु तैयार है; किसी भी दल/व्यक्ति के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग नहीं किया गया है।